राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

25 फरवरी 2023: शनिवार: वर्ष– 03: अंक – 46

गुब्बारे वाला

आज की कविता

गुब्बारे वाला आया, गोल गोल गुब्बारे लाया। लाल, हरे, पीले, नीले उड़ने वाले गुब्बारे लाया। साइकिल में जब तक बँधे हुए हैं तभी तक रुके हुए हैं, खुलते ही छूट जाएंगे, आसमान में उड़ जाएंगे। कोई बिल्कुल गोल मटोल, कोई तिकोना, कोई चौकोर, कोई मचाता खूब शोर। हाथी भी छछूंदर भी, शेर, भालू, बंदर भी। पूरी कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Fun For KidsTV

चीकू और लिज्ज़ी, बिज्ज़ी

आज की कहानी

चीकू और उसकी माँ ने एयरकूलर साफ करते हुए उसके भीतर एक छिपकली और गिरगिट को देखा। वो दोनों काफी समय से उसी में रह रहे थे। माँ ने उनको भगा तो दिया पर वो कहीं आसपास ही थे। और एक दिन माँ ने देखा कुछ अजीब, उन्होंने चीकू को बुलाया और दिखाया। मिट्टी के घोड़े के अंदर भी कोई प्राणी था। क्या था वो ? जानने के लिए कहानी के चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

कैसे प्रवास करते है जानवर?

आज की किताब

ये दुनिया जितनी रंग-बिरंगी है उतनी ही अजीबो-गरीब भी। यहाँ सब अपनी-अपनी तरह से अनूठा जीवन जीते हैं। कुछ जानवर जीवन भर एक ही जगह पर रह जाते हैं लेकिन कुछ जानवर समय समय पर अलग अलग जगह चले जाते हैं। ये जगहें कई बार हजारों मील दूर होती है। जानवर कैसे करते हैं माइग्रेट? जानवरों का प्रवास जानने के लिए पढ़ते हैं ये किताब। चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

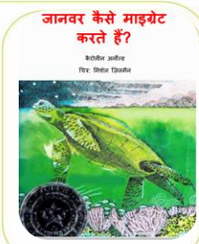

तीन आयामी डिब्बे

आज की गतिविधि

हमें घर में आने वाले सामान में कई बार गत्ते के डिब्बे मिलते हैं। इनकी लंबाई चौड़ाई को देखकर हम कुछ मजेदार तीन आयामी डिब्बे बना सकते हैं। सबसे मजेदार बात तो ये कि न तो इसमें गोंद लगता है, न स्टेपलर पिन और न किसी तरह का टेप। बस एक स्केल और कैंची की मदद से हम क्यूब, हेक्सागॉनल और ऑक्टागॉनल बॉक्स बना सकते हैं। देखते हैं ये विडिओ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षण

टीचर्स कॉर्नर

पूर्व प्राथमिक कक्षाओं यानि केजी 1 और केजी 2 के बच्चों को पढ़ाने-सिखाने की तैयारी एक समझ की मांग रखता है। उम्र की इस अवस्था में शारीरिक-मनोवैज्ञानिक विकास की बारीकियों की समझ पर ही इसकी योजना बनाई जा सकती है। अपने इस आलेख में पारूल बत्रा इसी बात को समझा रही हैं। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

रणथम्भौर की आवाज़

हमारा पुस्तकालय

राजस्थान में लोक जीवन और प्रकृति दोनों ही निराले हैं। रणथंभौर की बाघिन लाइटनिंग की एक सच्ची कहानी लिखी है सवाई माधोपुर के कवि लेखक प्रभात ने। लाइटनिंग की कहानी अपने साथ रणथंभौर की कहानी भी लिए आती है। इस किताब की सुंदर समीक्षा लिखी है साहित्यकार अरुण कमल ने। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Parag

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 148वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।